भारत सरकार
विधि और न्याय मंत्रालय
विधि कार्य विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं 3431
जिसका उत्तर शुक्रवार, 17 दिसम्बर, 2021 को दिया जाना है

बंदी प्रत्यक्षीकरण वाद

3431. श्री जगदम्बिका पाल :
क्या **विधि और न्याय मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आज की तारीख में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में कितने बंदी प्रत्यक्षीकरण वाद लंबित पड़े हुए हैं ;

(ख) क्या लंबित पड़े बंदी प्रत्यक्षीकरण वादों की संख्या पिछले कुछ वर्षों में बढ़ गई है ;

(ग) यदि हां, तो इसके कारण क्या है ;

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान विधिविरुद्ध गतिविधि (निवारक) अधिनियम (यूएपीए) के अंतर्गत दर्ज मामलों और यूएपीए अभियुक्तों द्वारा दायर किए गए वादों और निरस्त किए गए ऐसे वादों तथा आज की तारीख तक लंबित ऐसे वादों की राज्य-वार संख्या क्या है ; और

(ङ) पिछले तीन वर्षों के दौरान यूएपीए के अंतर्गत दोषसिद्ध व्यक्तियों की राज्य-वार संख्या क्या है ?

उत्तर

विधि और न्याय मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) से (ग) : माननीय उच्चतम न्यायालय और आठ उच्च न्यायालयों के लिए उपलब्ध वर्तमान में जानकारी के अनुसार, लंबित बंदी प्रत्यक्षीकरण वाद की संख्या **उपाबंध-1** पर दी गई है ।

(घ) और (ङ) : राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी), गृह मंत्रालय द्वारा विशिष्ट जानकारी नहीं रखी जाती है । तथापि, वर्ष 2018-2020 के अधीन विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निषेध) अधिनियम राज्य/संघ राज्यक्षेत्र वार रजिस्ट्रीकृत मामला (सीआर), चार्जसीट किया गया मामला (सीएस), दोषसिद्ध मामले (सीओएन), गिरफ्तार किए गए व्यक्ति (पीएआर), चार्जशीट किए गए व्यक्ति (पीसीएस) तथा दोषसिद्ध किए गए व्यक्ति (पीसीवी) **उपाबंध-2** पर दी गई है । नवीनतम प्रकाशित आंकड़ा वर्ष 2020 से संबंधित है ।

****

उपाबंध-1

<table>
<tr><th>क्रम सं.</th><th>न्यायालय का नाम</th><th>(क) आज की तारीख में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में कितने बंदी प्रत्यक्षीकरण वाद लंबित पड़े हुए हैं ;</th><th>ख) क्या लंबित पड़े लंबित बंदी प्रत्यक्षीकरण वादों की संख्या पिछले कुछ वर्षों में बढ़ गई है;</th><th>(ग) यदि हां, तो इसके कारण क्या हैं;</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>माननीय उच्चतम न्यायालय</td><td colspan="3">मांगी गई जानकारी का रखरखाव नहीं किया जाता है। तथापि, उच्चतम न्यायालय विषय श्रेणी कोड 1300 के अनुसार लंबित मामलों की संख्या, जो पिछले चार वर्षों से भारत के उच्चतम न्यायालय में 'बंदी प्रत्यक्षीकरण मामलों' से संबंधित है, जैसा कि एकीकृत मामला प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईसीएमआईएस) से पुन: प्राप्त किया गया, 13.12.2021 को निम्नानुसार है:
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>लंबित मामलों की संख्या (वर्ष के अंत में)</th></tr>
<tr><td>2018</td><td>43</td></tr>
<tr><td>2019</td><td>40</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>53</td></tr>
<tr><td>2021 (13.12.2021 के अनुसार)</td><td>52</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>2.</td><td>माननीय बाम्बे उच्च न्यायालय</td><td>14.12.2021=108 को लंबित बंदी प्रत्यक्षीकरण के मामले</td><td colspan="2">
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>लंबित मामले</th><th>बढ़ाए गए/घटाए गए</th></tr>
<tr><td>2018</td><td>12</td><td>10</td></tr>
<tr><td>2019</td><td>12</td><td>0</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>5</td><td>-7</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>3.</td><td>माननीय गुवाहाटी उच्च न्यायालय</td><td>09.12.2021=35 तक बंदी प्रत्यक्षीकरण के लंबित मामलों की संख्या</td><td colspan="2">
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>प्रारंभ में लंबित मामले</th><th>संस्थित मामले</th><th>निपटान किए गए मामले</th><th>अंत में लंबित मामले</th></tr>
<tr><td>2018</td><td>11</td><td>11</td><td>6</td><td>16</td></tr>
<tr><td>2019</td><td>16</td><td>24</td><td>20</td><td>20</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>20</td><td>17</td><td>8</td><td>29</td></tr>
<tr><td>2021</td><td>29</td><td>24</td><td>18</td><td>35</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>4.</td><td>माननीय केरल उच्च न्यायालय</td><td>10.12.2021 को बंदी प्रत्यक्षीकरण के 24 मामले लंबित हैं ।</td><td colspan="2">
<table>
<tr><td colspan="2">पिछले पांच वर्षों के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में लंबित मामले नीचे प्रस्तुत किए गए हैं</td></tr>
<tr><td>30.11.2017 को</td><td>53</td></tr>
<tr><td>30.11.2018 को</td><td>38</td></tr>
<tr><td>30.11.2019 को</td><td>32</td></tr>
<tr><td>30.11.2020 को</td><td>79</td></tr>
<tr><td>30.11.2021 को</td><td>24</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>5.</td><td>माननीय मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय</td><td>01.12.2021 को बंदी प्रत्यक्षीकरण के 97 मामले लंबित हैं ।</td><td>
<table>
<tr><td colspan="2">पिछले पांच वर्षों में बंदी प्रत्यक्षीकरण के लंबित मामलों के ब्यौरे :</td></tr>
<tr><td>31.12.2017</td><td>75</td></tr>
<tr><td>31.12.2018</td><td>72</td></tr>
<tr><td>31.12.2019</td><td>76</td></tr>
<tr><td>31.12.2020</td><td>112</td></tr>
<tr><td>30.12.2021</td><td>97</td></tr>
</table></td><td>लंबित मामलों के कारण :
मामलों का भारी मात्रा में संस्थित होना तथा माननीय न्यायाधीशों के रिक्त पद बंदी प्रत्यक्षीकरण के मामलों के साथ सभी मामलों के लंबित होने के कारण हैं ।</td></tr>
<tr><td>6.</td><td>माननीय मेघालय उच्च न्यायालय</td><td>शून्य</td><td>नहीं</td><td>प्रश्न ही नहीं उठता</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td rowspan="5">7.</td><td rowspan="5">माननीय पटना उच्च न्यायालय</td><td colspan="2">बंदी प्रत्यक्षीकरण के लंबित मामलों की संख्या (फाइल किए गए वर्ष के अनुसार)</td><td></td><td colspan="2">बंदी प्रत्यक्षीकरण के लंबित मामलों की संख्या (वर्ष के अंत में)</td></tr>
<tr><td>2019</td><td>1</td><td></td><td>2019</td><td>44</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>8</td><td></td><td>2020</td><td>29</td></tr>
<tr><td>2021</td><td>12</td><td></td><td>2021</td><td>46</td></tr>
<tr><td>10.12.2021 को कुल लंबित मामलों की संख्या</td><td>21</td><td></td><td>10.12.2021 को कुल लंबित मामलों की संख्या</td><td>21</td></tr>
<tr><td>8.</td><td>माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय</td><td colspan="2">कम्प्यूटर रिकार्ड के अनुसार तारीख 30.11.2021 को कुल 369 बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं लंबित हैं ।</td><td colspan="3">हां, पिछले पांच वर्षों के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण के लंबित मामलों की संख्या निम्न है :
वर्ष — लंबित मामलों की संख्या
2018 — 181
2019 — 243
2020 — 412</td></tr>
<tr><td>9.</td><td>माननीय उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय</td><td colspan="2">31.12.2021 को बंदी प्रत्यक्षीकरण के 41 लंबित मामले हैं।</td><td colspan="2">नहीं</td><td>लागू नहीं होता</td></tr>
</table>

उपाबंध-2

वर्ष 2018-2020 के अधीन विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम राज्य/संघ राज्यक्षेत्र वार रजिस्ट्रीकृत मामला (सीआर), चार्जशीट किया गया मामला (सीएस), दोषसिद्ध मामले (सीओएन), गिरफ्तार किए गए व्यक्ति (पीएआर), चार्जशीट किए गए व्यक्ति (पीसीएस) तथा दोषसिद्ध किए गए व्यक्ति (पीसीवी)

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य	2018						2019						2020					
		सीआर	सीसीएस	सीओएन	पीएआर	पीसीएस	पी वी सी	सीआर	सीसीएस	सीओएन	पीएआर	पीसीएस	पीवीसी	सीआर	सीसीएस	सीओएन	पीएआर	पीसीएस	पीवीसी
1	आंध्र प्रदेश	1	5	0	8	5	0	4	0	0	5	0	0	1	1	0	4	1	0
2	अरुणाचल प्रदेश	6	4	0	10	8	0	25	5	0	40	5	0	3	1	0	3	1	0
3	असम	308	65	0	170	71	0	87	30	0	112	35	0	76	21	0	49	29	0
4	बिहार	34	17	0	59	33	0	12	18	0	35	29	0	30	49	0	39	65	0
5	छत्तीसगढ	10	2	0	4	4	0	2	7	0	32	32	0	3	2	0	27	20	0
6	गोवा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	गुजरात	0	0	0	0	0	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0
8	हरियाणा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	1	0	1	1	0
9	हिमाचल प्रदेश	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
10	झारखंड	137	45	20	97	81	21	105	109	16	202	143	17	86	36	3	69	60	3
11	कर्नाटक	1	0	0	0	0	0	7	4	0	6	14	0	1	2	0	2	2	0
12	केरल	17	1	0	6	1	0	53	4	0	25	8	0	18	5	0	24	42	0
13	मध्य प्रदेश	6	4	0	13	13	0	2	2	0	4	4	0	4	0	0	0	0	0
14	महाराष्ट्र	1	1	0	0	5	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	7	7	0
15	मणिपुर	289	4	0	332	6	0	306	11	0	386	11	0	169	1	0	225	1	0
16	मेघालय	2	0	0	6	0	0	0	1	0	0	1	0	10	0	0	2	0	0
17	मिजोरम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
18	नागालैंड	8	2	1	10	2	1	9	2	0	18	3	0	2	3	0	7	5	0
19	ओडिशा	0	0	0	0	0	0	1	0	0	5	0	0	0	1	0	0	1	0
20	पंजाब	6	3	0	27	22	0	3	5	0	30	27	0	19	8	0	44	41	0
21	राजस्थान	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
22	सिक्किम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
23	तमिलनाडु	2	1	0	15	3	0	270	103	0	308	130	0	3	82	16	92	94	21
24	तेलंगाना	0	0	0	0	0	0	1	1	0	5	2	0	0	0	0	0	0	0
25	त्रिपुरा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	2	0	0
26	उत्तर प्रदेश	107	123	12	479	479	12	81	98	17	498	498	17	72	76	7	361	361	54
27	उत्तराखंड	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
28	पश्चिमी बंगाल	0	2	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	5	0	0
	कुल राज्य	**935**	**280**	**33**	**1236**	**736**	**34**	**969**	**401**	**33**	**1712**	**943**	**34**	**503**	**290**	**26**	**963**	**731**	**78**
29	अंदमान और निकोबार द्वीपसमूह	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
30	चंडीगढ़	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

31	दादर और नागर हवेली और दमन और दीव+	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
32	दिल्ली	2	5	1	8	7	1	2	4	0	9	6	0	6	3	0	12	6	0
33	जम्मू और कश्मीर*	245	32	0	177	110	0	255	78	0	227	190	0	287	105	1	346	271	2
34	लद्दाख	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	0	0	0	0	0	0
35	लक्षद्वीप	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
36	पुदुचेरी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल स.राज्य (एस)	**247**	**37**	**1**	**185**	**117**	**1**	**257**	**82**	**0**	**236**	**196**	**0**	**293**	**108**	**1**	**358**	**277**	**2**
	कुल(पूर्ण भारत)	**1182**	**317**	**34**	**1421**	**853**	**35**	**1226**	**483**	**33**	**1948**	**1139**	**34**	**796**	**398**	**27**	**1321**	**1008**	**80**

स्रोत: भारत में अपराध

टिप्पण : '+' 018 और 2019 के लिए पूर्ववर्ती दादर और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र और दमन और दीव संघ राज्यक्षेत्र का संयुक्त डाटा

*' 018 और 2019 के लिए लद्दाख सहित तत्कालीन जम्मू और कश्मीर राज्य का डाटा

****